वर्ष-17 अंक-119 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, बुधवार 03 मई 2023

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात में प्रसारित

दैनिक

RNI N.UPHIN/2007/27090

नगर छाया

आप की आवाज़.....

सीएसए में माइक्रोबियल एनकैप्सूलेशन तकनीक पर एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में आज अधिष्ठाता कृषि संकाय कक्ष में माइक्रोबियल एनकैप्सूलेशन विषय पर छात्र-छात्राओं एवं संकाय सदस्यों हेतु जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में देश के प्रतिष्ठित कृषि विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिए। कार्यशाला में मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह ने जल संरक्षण के संदेश से समारोह का शुभारंभ किया। कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि मृदा में सूक्ष्म जीवाणु खनिज पोषण में सुधार करके पौधों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।उन्होंने कहा कि मृदा में जीवाणुओं की संख्या जितनी अधिक होगी फसल उत्पादन उतना ही बेहतर होगा। उन्होंने कहा कि मृदा उर्वरता में वृद्धि के साथ ही फसल उत्पादन गुणवत्ता युक्त होता है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से आवाहन किया कि जब वे अपने गांव जाए तो मृदा में सूक्ष्म जीवाणुओं की वृद्धि हेतु नए-नए प्रयोग कर दूसरे किसानों को भी जैविक खेती हेतु प्रेरित करें। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर सी एल मौर्या ने कहा कि मृदा में जीवांश कार्बन की मात्रा दिनों दिन गिरती जा रही है। इसे बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है।डॉ मौर्या ने बताया कि हमारे देश में सिक्किम राज्य पूर्ण रुप से जैविक राज्य है। छात्र छात्राओं से कहा कि जैविक खेती का भविष्य उज्जवल है और वे जैविक खेती में हेतु अन्य लोगों को भी प्रोत्साहित करें।जिससे रसायनों का कम से कम प्रयोग हो।उद्घाटन सत्र के पश्चात तकनीकी सत्र आरंभ हुआ जिसमें विशेषज्ञों ने अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए। ज्ञातव्य हो कि यह कार्यक्रम मधु ऑर्गेनिक, सिस्टो ग्रीन एवं सीएसए के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉक्टर आरके यादव,डॉक्टर पीके उपाध्याय, डॉक्टर पीके सिंह, डॉ विजय यादव, एवं मधु ऑर्गेनिक से रचित जैन, चित्रांश जैन जबकि सिस्टोग्रीन से विकास अग्रवाल सहित 150 से अधिक छात्र-छात्राएं एवं संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

हिंदी दैनिक

यूपी मैसेंजर

जनता की आवाज

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष : 09, अंक :

माइक्रोबियल एनकैप्सूलेशन तकनीक पर एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न

यूपी मैसेंजर संवाददाता

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि में मंगलवार को अधिष्ठाता कृषि संकाय कक्ष में माइक्रोबियल एनकैप्सूलेशन विषय पर छात्र-छात्राओं एवं संकाय सदस्यों हेतु जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में देश के प्रतिष्ठित कृषि विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिए।

कार्यशाला में मुख्य अतिथि विवि के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह ने जल संरक्षण के संदेश से समारोह का शुभारंभ किया। कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि मृदा में सूक्ष्म जीवाणु खनिज पोषण में सुधार करके पौधों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।उन्होंने कहा कि मृदा में जीवाणुओं की संख्या जितनी अधिक होगी फसल उत्पादन उतना ही बेहतर होगा। उन्होंने कहा कि मृदा उर्वरता में वृद्धि के साथ ही फसल उत्पादन गुणवत्ता युक्त होता है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से आवाहन किया कि जब वे अपने गांव जाए तो मृदा में सूक्ष्म जीवाणुओं की वृद्धि हेतु नए-नए प्रयोग कर दूसरे किसानों को भी जैविक खेती हेतु प्रेरित करें। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर सी एल मौर्या ने कहा कि मृदा में जीवांश कार्बन की मात्रा दिनों दिन गिरती जा रही है। इसे बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है। डॉ मौर्या ने बताया कि हमारे देश में सिक्किम राज्य पूर्ण रुप से जैविक राज्य है। छात्र छात्राओं से कहा कि जैविक खेती का भविष्य उज्जवल है और वे जैविक खेती में हेतु अन्य लोगों को भी प्रोत्साहित करें।जिससे रसायनों का कम से कम प्रयोग हो।उद्घाटन सत्र के पश्चात तकनीकी सत्र आरंभ हुआ जिसमें विशेषज्ञों ने अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए। ज्ञातव्य हो कि यह कार्यक्रम मधु ऑर्गेनिक, सिस्टो ग्रीन एवं सीएसए के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉक्टर आरके यादव,डॉक्टर पीके उपाध्याय, डॉक्टर पीके सिंह, डॉ विजय यादव, एवं मधु ऑर्गेनिक से रचित जैन, चित्रांश जैन जबकि सिस्टोग्रीन से विकास अग्रवाल सहित 150 से अधिक छात्र-छात्राएं एवं संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

अधिकतम तापमान 28.00° >> न्यूनतम तापमान 21.00° >> सूर्योदय 5:27 >> सूर्यास्त 6:39 >> डॉलर 81.88 >> यूरो 8

दैनिक भास्कर

देश का विश्वसनीय अखबार

लखनऊ | वर्ष-07, अंक-207 | बुधवार 03 मई 2023 | कुल पृष्ठ 14 | मूल्य 3.00 रुपये

झांसी, नोएडा, लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित

विकास के लिए ट्रिपल इंजन की सरकार जरूरी : पेज 07

माइक्रोबियल एनकैप्सुलेशन तकनीक पर एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न

भास्कर ब्यूरो

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि में मंगलवार को अधिष्ठाता कृषि संकाय कक्ष में माइक्रोबियल एनकैप्सूलेशन विषय पर छात्र-छात्राओं एवं संकाय सदस्यों हेतु जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में देश के प्रतिष्ठित कृषि विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिए।

कार्यशाला में मुख्य अतिथि विवि के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह ने जल संरक्षण के संदेश से समारोह का शुभारंभ किया। कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि मृदा में सूक्ष्म जीवाणु खनिज पोषण में सुधार करके पौधों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।उन्होंने कहा कि मृदा में जीवाणुओं की संख्या जितनी अधिक होगी फसल उत्पादन उतना ही बेहतर होगा। उन्होंने कहा कि मृदा उर्वरता में वृद्धि के साथ ही फसल

- **मृदा में सूक्ष्म जीवाणु खनिज पोषण में सुधार कर पौधों के विकास में भूमिका निभाते हैं: डॉ. विजेंद्र**

उत्पादन गुणवत्ता युक्त होता है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से आवाहन किया कि जब वे अपने गांव जाए तो मृदा में सूक्ष्म जीवाणुओं की वृद्धि हेतु नए-नए प्रयोग कर दूसरे किसानों को भी जैविक खेती हेतु प्रेरित करें। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर सी एल मौर्या ने कहा कि मृदा में जीवांश कार्बन की मात्रा दिनों दिन गिरती जा रही है। इसे बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है।डॉ मौर्या ने बताया कि हमारे देश में सिक्किम राज्य पूर्ण रुप से जैविक राज्य है। छात्र छात्राओं से कहा कि जैविक खेती का भविष्य उज्जवल है और वे जैविक खेती में हेतु अन्य लोगों को भी प्रोत्साहित करें।जिससे रसायनों का कम से कम प्रयोग हो।उद्घाटन सत्र के पश्चात तकनीकी सत्र आरंभ हुआ जिसमें विशेषज्ञों ने अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए। ज्ञातव्य हो कि यह कार्यक्रम मधु ऑर्गेनिक, सिस्टो ग्रीन एवं सीएसए के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉक्टर आरके यादव,डॉक्टर पीके उपाध्याय, डॉक्टर पीके सिंह, डॉ विजय यादव, एवं मधु ऑर्गेनिक से रचित जैन, चित्रांश जैन जबकि सिस्टोग्रीन से विकास अग्रवाल सहित 150 से अधिक छात्र-छात्राएं एवं संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

खबरें एक नजर

सीएसए में माइक्रोबियल एनकैप्सूलेशन तकनीक पर एक दिवसीय कार्यशाला हुई संपन्न

दि ग्राम टुडे, कानपुर। (मीनाक्षी राहुल सोनकर)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में आज अधिष्ठाता कृषि संकाय कक्ष में माइक्रोबियल एनकैप्सूलेशन विषय पर छात्र-छात्राओं एवं संकाय सदस्यों हेतु जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में देश के प्रतिष्ठित कृषि विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिए। कार्यशाला में मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह ने जल संरक्षण के संदेश से समारोह का शुभारंभ किया। कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि मृदा में सूक्ष्म जीवाणु खनिज पोषण में सुधार करके पौधों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।उन्होंने कहा कि मृदा में जीवाणुओं की संख्या जितनी अधिक होगी फसल उत्पादन उतना ही बेहतर होगा। उन्होंने कहा कि मृदा उर्वरता में वृद्धि के साथ ही फसल उत्पादन गुणवत्ता युक्त होता है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से आवाहन किया कि जब वे अपने गांव जाए तो मृदा में सूक्ष्म जीवाणुओं की वृद्धि हेतु नए-नए प्रयोग कर दूसरे किसानों को भी जैविक खेती हेतु प्रेरित करें। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर सी एल मौर्या ने कहा कि मृदा में जीवांश कार्बन की मात्रा दिनों दिन गिरती जा रही है। इसे बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है।डॉ मौर्या ने बताया कि हमारे देश में सिक्किम राज्य पूर्ण रुप से जैविक राज्य है। छात्र छात्राओं से कहा कि जैविक खेती का भविष्य उज्जवल है और वे जैविक खेती में हेतु अन्य लोगों को भी प्रोत्साहित करें।जिससे रसायनों का कम से कम प्रयोग हो।उद्घाटन सत्र के पश्चात तकनीकी सत्र आरंभ हुआ जिसमें विशेषज्ञों ने अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए। ज्ञातव्य हो कि यह कार्यक्रम मधु ऑर्गेनिक, सिस्टो ग्रीन एवं सीएसए के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉक्टर आरके यादव,डॉक्टर पीके उपाध्याय, डॉक्टर पीके सिंह, डॉ विजय यादव, एवं मधु ऑर्गेनिक से रचित जैन, चित्रांश जैन जबकि सिस्टोग्रीन से विकास अग्रवाल सहित 150 से अधिक छात्र-छात्राएं एवं संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 14 अंक : 297 कानपुर, बुधवार 03 मई 2023 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

माइक्रोबियल एनकैप्सूलेशन तकनीक पर कार्यशाला संपन्न

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि में मंगलवार को अधिष्ठाता कृषि संकाय कक्ष में माइक्रोबियल एनकैप्सूलेशन विषय पर छात्र.छात्राओं एवं संकाय सदस्यों हेतु जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में देश के प्रतिष्ठित कृषि विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिए कार्यशाला में मुख्य अतिथि विवि के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह ने जल संरक्षण के संदेश से समारोह का शुभारंभ किया कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि मृदा में सूक्ष्म जीवाणु खनिज पोषण में सुधार करके पौधों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।उन्होंने कहा कि मृदा में जीवाणुओं की संख्या जितनी अधिक होगी फसल उत्पादन उतना ही बेहतर होगा। उन्होंने कहा कि मृदा उर्वरता में वृद्धि के साथ ही फसल उत्पादन गुणवत्ता युक्त होता है। उन्होंने छात्र.छात्राओं से आवाहन किया कि जब वे अपने गांव जाए तो मृदा में सूक्ष्म जीवाणुओं की वृद्धि हेतु नए.नए प्रयोग कर दूसरे किसानों को भी जैविक खेती हेतु प्रेरित करें। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर सी एल मौर्या ने कहा कि मृदा में जीवांश कार्बन की मात्रा दिनों दिन गिरती जा रही है। इसे बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है।डॉ

मौर्या ने बताया कि हमारे देश में सिक्किम राज्य पूर्ण रुप से जैविक राज्य है। छात्र छात्राओं से कहा कि जैविक खेती का भविष्य उज्जवल है और वे जैविक खेती में हेतु अन्य लोगों को भी प्रोत्साहित करें।जिससे रसायनों का कम से कम प्रयोग हो।उद्घाटन सत्र के पश्चात तकनीकी सत्र आरंभ हुआ जिसमें विशेषज्ञों ने अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए। ज्ञातव्य हो कि यह कार्यक्रम मधु ऑर्गेनिकए सिस्टो ग्रीन एवं सीएसए के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉक्टर आरके यादवएडॉक्टर पीके उपाध्यायए डॉक्टर पीके सिंहए डॉ विजय यादवए एवं मधु ऑर्गेनिक से रचित जैनए चित्रांश जैन जबकि सिस्टोग्रीन से विकास अग्रवाल सहित 150 से अधिक छात्र.छात्राएं एवं संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

Sign in to edit and save changes to this file.

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

घोषणापत्र में कांग्रेस का ऐलान, बजरंग दल... 12

गोरखपुर में खत्म न होते मुकदमे तो लंबी होती... 10

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्ष: 14 | अंक: 199
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12
बुधवार | 03 मई, 2023

माइक्रोबियल एनकैप्सूलेशन विषय पर हुई कार्यशाला

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता कृषि संकाय कक्ष में छात्र-छात्राओं एवं संकाय सदस्यों के लिए मंगलवार को माइक्रोबियल एनकैप्सूलेशन विषय पर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यशाला में देश के प्रतिष्ठित कृषि विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. विजेंद्र सिंह ने जल संरक्षण के संदेश से समारोह का शुभारंभ किया। कुलपति ने कहा कि मृदा में सूक्ष्म जीवाणु खनिज पोषण में सुधार कर पौधों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि मृदा में जीवाणुओं की संख्या जितनी अधिक होगी फसल उत्पादन उतना ही बेहतर होगा। उन्होंने छात्र-छात्राओं से अपने गांव जाकर मृदा में सूक्ष्म जीवाणुओं की वृद्धि के लिए नए-नए प्रयोग करने तथा दूसरे किसानों को जैविक खेती के लिए प्रेरित करने की बात कही। विशिष्ट अतिथि अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. सी. एल. मौर्या ने कहा कि मृदा में गिरती हुई जीवांश कार्बन की मात्रा को बढ़ाना आवश्यक है। उन्होंने छात्र छात्राओं से जैविक खेती के लिए अन्य लोगों को प्रेरित करने की बात कही।

उन्होंने कहा कि जैविक खेती का भविष्य उज्जवल है क्योंकि इसमे रसायनों का कम से कम प्रयोग होता है। इस अवसर पर डॉ. आर. के. यादव, डॉ. पी. के. उपाध्याय, डॉ. पी. के. सिंह, डॉ. विजय यादव आदि मौजूद रहे।

सीएसए में माइक्रोबियल एनकैप्सूलेशन तकनीक पर एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न

(अनवर अशरफ)

कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में आज अधिष्ठाता कृषि संकाय कक्ष में माइक्रोबियल एनकैप्सूलेशन विषय पर छात्र–छात्राओं एवं संकाय सदस्यों हेतु जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में देश के प्रतिष्ठित कृषि विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिए। कार्यशाला में मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह ने जल संरक्षण के संदेश से समारोह का शुभारंभ किया। कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि मृदा में सूक्ष्म जीवाणु खनिज पोषण में सुधार करके पौधों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।उन्होंने कहा कि मृदा में जीवाणुओं की संख्या जितनी अधिक होगी फसल उत्पादन उतना ही बेहतर होगा। उन्होंने कहा कि मृदा उर्वरता में वृद्धि के साथ ही फसल उत्पादन गुणवत्ता युक्त होता है। उन्होंने छात्र–छात्राओं से आवाहन किया कि जब वे अपने गांव जाए तो मृदा में सूक्ष्म जीवाणुओं की वृद्धि हेतु नए–नए प्रयोग कर दूसरे किसानों को भी जैविक खेती हेतु प्रेरित करें। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर सी एल मौर्या ने कहा कि मृदा में जीवांश कार्बन की मात्रा दिनों दिन गिरती जा रही है। इसे बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है।डॉ मौर्या ने बताया कि हमारे देश में सिक्किम राज्य पूर्ण रुप से जैविक राज्य है। छात्र छात्राओं से कहा कि जैविक खेती का भविष्य उज्जवल है और वे जैविक खेती में हेतु अन्य लोगों को भी प्रोत्साहित करें।जिससे रसायनों का कम से कम प्रयोग हो।उद्घाटन सत्र के पश्चात तकनीकी सत्र आरंभ हुआ जिसमें विशेषज्ञों ने अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए। ज्ञातव्य हो कि यह कार्यक्रम मधु ऑर्गेनिक, सिस्टो ग्रीन एवं सीएसए के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉक्टर आरके यादव,डॉक्टर पीके उपाध्याय, डॉक्टर पीके सिंह, डॉ विजय यादव, एवं मधु ऑर्गेनिक से रचित जैन, चित्रांश जैन जबकि सिस्टोग्रीन से विकास अग्रवाल सहित 150 से अधिक छात्र–छात्राएं एवं संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

हिंदुस्तान कानपुर 03/05/2023

सिक्किम जैविक खेती करने वाला राज्य

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में मंगलवार को माइक्रोबियल एनकैप्शूलेशन तकनीक पर कार्यशाला का आयोजन हुआ। शुभारंभ विवि के कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने किया। कुलपति ने कहा कि मृदा में सूक्ष्म जीवाणु खनिज पोषण में सुधार करके पौधों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। देश में सिक्किम पूर्ण रुप से जैविक राज्य है। छात्र अपने गांव में खुद जैविक खेती करें और दूसरे को प्रोत्साहित करें। इस मौके पर डॉ. आरके यादव, डॉ. पीके उपाध्याय, डॉ. पीके सिंह, डॉ. विजय यादव मौजूद रहे।

मृदा में जीवाणुओं की संख्या से फसलों का उत्पादन

❑ सीएसए में माइक्रोबियल एनकैप्सूलेशन तकनीक पर एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न

कार्यशाला में मुख्य अतिथि को सम्मानित करते सीएसए के पदाधिकारी।

कानपुर, 2 मई। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में आज अधिष्ठाता कृषि संकाय कक्ष में माइक्रोबियल एनकैप्सूलेशन विषय पर छात्र-छात्राओं एवं संकाय सदस्यों हेतु जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में देश के प्रतिष्ठित कृषि विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिए। कार्यशाला में मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह ने जल संरक्षण के संदेश से समारोह का शुभारंभ करते हुए कहाकि कहा कि मृदा में सूक्ष्म जीवाणु खनिज पोषण में सुधार करके पौधों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।उन्होंने कहा कि मृदा में जीवाणुओं की संख्या जितनी अधिक होगी फसल उत्पादन उतना ही बेहतर होगा। उन्होंने कहा कि मृदा उर्वरता में वृद्धि के साथ ही फसल उत्पादन गुणवत्ता युक्त होता है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से आवाहन किया कि जब वे अपने गांव जाए तो मृदा में सूक्ष्म जीवाणुओं की वृद्धि हेतु नए-नए प्रयोग कर दूसरे किसानों को भी जैविक खेती हेतु प्रेरित करें। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर सी एल मौर्या ने कहा कि मृदा में जीवांश कार्बन की मात्रा दिनों दिन गिरती जा रही है। इसे बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है। डॉ मौर्या ने बताया कि हमारे देश में सिक्किम राज्य पूर्ण रुप से जैविक राज्य है। छात्र छात्राओं से कहा कि जैविक खेती का भविष्य उज्जवल है और वे जैविक खेती में हेतु अन्य लोगों को भी प्रोत्साहित करें।जिससे रसायनों का कम से कम प्रयोग हो।उद्घाटन सत्र के पश्चात तकनीकी सत्र आरंभ हुआ जिसमें विशेषज्ञों ने अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए। ज्ञातव्य हो कि यह कार्यक्रम मधु ऑर्गेनिक, सिस्टो ग्रीन एवं सीएसए के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया। इस अवसर पर डा आरके यादव, डॉ पीके उपाध्याय, डा पीके सिंह, डॉ विजय यादव, एवं मधु ऑर्गेनिक से रचित जैन, चित्रांश जैन जबकि सिस्टोग्रीन से विकास अग्रवाल सहित 150 से अधिक छात्र-छात्राएं एवं संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

'मृदा में जीवाणु वृद्धि के लिए करें नए प्रयोग'

सूक्ष्म जीवाणु कैप्सूलीकरण कार्यशाला में जलकुंभ भरकर सीएसए कुलपति डा. विजेंद्र सिंह ने जल संरक्षण का संदेश दिया। संवाद

जागरण कानपुर 03/05/2023

कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कृषि संकाय कक्ष में आयोजित सूक्ष्म जीवाणु कैप्सूलीकरण कार्याशाला में कुलपति डा. विजेंद्र सिंह ने कहा कि छात्र-छात्राओं को चाहिए कि जब वे अपने गांव जाए तो मृदा में सूक्ष्म जीवाणुओं की वृद्धि के लिए नए-नए प्रयोग कर दूसरे किसानों को भी जैविक खेती के लिए प्रोत्साहित करें। विशिष्ट अतिथि व अधिष्ठाता कृषि संकाय डा. सीएल मौर्या ने कहा कि मृदा में जीवांश कार्बन की मात्रा दिनों दिन गिरती जा रही है। इस अवसर पर कुलपति ने कुंभ में जल भरकर जल संरक्षण का संदेश दिया। यह आयोजन मधु आर्गेनिक, सिस्टो ग्रीन एवं सीएसए की ओर से किया गया। इस अवसर पर डा. आरके यादव, डा. पीके उपाध्याय, डा. पीके सिंह, डा. विजय यादव, रचित जैन, चित्रांश जैन, विकास अग्रवाल रहे। वि

अमर उजाला 03/05/2023

मृदा जीवाणुओं की अधिक संख्या से होगा फसल का उत्पादन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में मंगलवार को माइक्रोबियल एनकैप्शूलेशन तकनीक पर एक दिवसीय कार्यशाला हुई। शुभारंभ विवि के कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने किया। कुलपति ने कहा कि मृदा में सूक्ष्म जीवाणु खनिज पोषण में सुधार करके पौधों के विकास में भूमिका निभा सकते हैं। विशिष्ट अतिथि अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. सीएल मौर्या ने कहा कि मृदा में जीवांश कार्बन की मात्रा गिरती जा रही है। (ब्यूरो)

राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • बुधवार • 3 मई • 2023

फसल के लिये संजीवनी है मृदा में जीवाणुओं की अधिकता

कानपुर (एसएनबी)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में माइक्रोबियल एनकैप्सूलेशन तकनीक पर आयोजित कार्यशाला में कुलपति डॉ. बिजेन्द्र सिंह ने कहा कि मृदा में जीवाणुओं की अधिकता फसल उत्पादन को बेहतर करती है। उन्होंने मृदा में सूक्ष्म जीवाणुओं की वृद्धि के लिये नवाचार प्रयोग करने व किसानों को जैविक खेती के लिये प्रोत्साहित करने को कहा।

कार्यशाला में मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बिजेन्द्र सिंह ने जल संरक्षण के संदेश के साथ अपने सम्बोधन की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि मृदा में सूक्ष्म जीवाणु खनिज पोषण में सुधार करके पौधों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मृदा में जीवाणुओं की संख्या जितनी अधिक होगी, फसल उत्पादन उतना ही बेहतर होगा। उन्होंने कहा कि मृदा उर्वरता में वृद्धि के साथ ही फसल उत्पादन गुणवत्ता युक्त होता है। कुलपति ने छात्र-छात्राओं से कहा कि वह जब भी अपने गांव जाये तो मृदा में सूक्ष्म जीवाणुओं की वृद्धि के लिये नवीनतम प्रयोग करे साथ ही दूसरे किसानों को जैविक खेती के लिये प्रेरित करें। विशिष्ट अतिथि डॉ. सीएल मौर्या ने कहा कि मृदा में जीवांश कार्बन की मात्रा दिनोंदिन गिरती जा रही है। इसे बढ़ाना अति आवश्यक है। उन्होंने बताया कि देश में सिक्किम पूर्ण रूप से जैविक राज्य है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से कहा कि जैविक खेती का भविष्य उज्ज्वल है। यहां डॉ. आरके यादव, डॉ. पीके उपाध्याय, डॉ. पीके सिंह, डॉ. विजय यादव और रश्मि जैन आदि थे।

सूक्ष्म जीवाणुओं से बेहतर उत्पादन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। मृदा में सूक्ष्म जीवाणु खनिज पोषण में सुधार करके पौधों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मिट्टी में जीवाणुओं की संख्या जितनी अधिक होगी, फसलों का उत्पादन उतना ही बेहतर होगा। यह बात चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजेंद्र सिंह ने कही। वह विश्वविद्यालय में मंगलवार को माइक्रोबियल एनकैप्सूलेशन विषय पर आयोजित कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहें थे। उन्होंने कहा कि मृदा उर्वरता में वृद्धि के साथ ही फसल उत्पादन गुणवत्ता युक्त रहता है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से आवाहन किया कि जब वे अपने गांव जायें तो मृदा में सूक्ष्म जीवाणुओं की वृद्धि के लिए जैविक खेती को लेकर किसानों को जागरूक करें।

कार्यशाला में बोलते डॉ. विजेंद्र सिंह। अमृत विचार

- **सीएसए में माइक्रोबियल एनकैप्सूलेशन तकनीक पर हुई कार्यशाला**

विशिष्ट अतिथि अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. सीएल मौर्या ने कहा कि मृदा में जीवांश कार्बन की मात्रा दिनोंदिन गिरती जा रही है। इसे बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है। देश में सिक्किम राज्य पूर्ण रुप से जैविक राज्य है। जैविक खेती का भविष्य उज्जवल है और वे जैविक अन्य लोगों को भी प्रोत्साहित करें, जिससे रसायनों का कम से कम प्रयोग हो सके। तकनीकी सत्र में विशेषज्ञों ने व्याख्यान प्रस्तुत किए। यह कार्यक्रम मधु ऑर्गेनिक, सिस्टो ग्रीन एवं सीएसए के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया। डॉ. आरके यादव, डॉ. पीके उपाध्याय, डॉ. पीके सिंह, डॉ. विजय यादव, मधु ऑर्गेनिक से रचित जैन, चित्रांश जैन, सिस्टोग्रीन से विकास अग्रवाल सहित छात्र-छात्राएं शामिल रहे।